दिम्मा से आज़ादी के लिए प्रार्थना

पिता, मैं आपके साथ सहमत होता हूँ कि अब मैं डर की अधीनता में नहीं हूँ, बल्कि अब तो मैं आपके प्रेम की सन्तान बन गया हूँ। मैं मुहम्मद द्वारा सिखाई गई इस्लाम की सारी माँगों को ठुकराता हूँ और उनसे नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ। मैं 'क़ुरआन के अल्लाह' के प्रति अपनी हर प्रकार की प्रतिबद्धता से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ और मैं यह भी ऐलान करता हूँ कि अब से मैं हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर की ही आराधना करूँगा।

हम इस पाप का अंगीकार करते हैं कि हमारे पूर्वज दिम्मा सन्धि की और इसके सिद्धान्तों की अधीनता में आए थे, और उनके पापों के लिए हम आपसे माफी माँगते हैं।

मैं अपने द्वारा या अपने पुरखों के द्वारा स्थापित की गई हर एक तरह की सन्धि से नाता तोड़ने का ऐलान करता और उसे रद्द करता हूँ, जो हमें इस्लाम के सिद्धान्तों तथा समाज की अधीनता में ले आई थी।

मैं दिम्मा का और उसकी हर प्रकार की शर्त से पूरी तरह नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ। मैं **जिज़्या** की रस्म के दौरान गर्दन पर किए जाने वाले प्रहार से और उसके हर एक प्रतीक से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ। इस रस्म के प्रतीक के तौर पर दिए जाने वाले सिर कलम करने और मृत्यु के श्राप से खास तौर पर नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ।

मैं ऐलान करता हूँ कि दिम्मा सन्धि को मसीह के क्रूस पर कीलों से जड़ दिया गया है। दिम्मा का खुल्लम-खुल्ला तमाशा बनाया गया है और अब मेरे ऊपर इसका कोई अधिकार नहीं है। मैं ऐलान करता हूँ कि मसीह के क्रूस के द्वारा दिम्मा सन्धि की सच्चाइयों को उजागर, निहत्था, पराजित और अपमानित कर दिया गया है।

मैं इस्लाम के प्रति आभार की झूठी भावनाओं से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ। मैं अपराध-बोध की झूठी भावनाओं से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ।

मैं छल और झूठ से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ।

मैं मसीह में अपनी आस्था के प्रति चुप रहने की अपनी सारी सहमति से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ।

मैं दिम्मा अथवा इस्लाम के प्रति चुप रहने की अपनी सारी सहमति से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ। मैं बोलूँगा और चुप नहीं रहूँगा।

मैं ऐलान करता हूँ कि 'सत्य मुझे स्वतन्त्र करेगा' (यूहन्ना 8:32) और मैं मसीह यीशु में स्वतन्त्र व्यक्ति के तौर पर जीवन जीने का चयन करता हूँ।

इस्लाम के नाम में मुझ पर और मेरे परिवार पर बोले गए सारे श्रापों से मैं नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ और उन्हें रद्द करता हूँ। मैं अपने पुरखों पर बोले गए सारे श्रापों से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ और उन्हें रद्द करता हूँ।

मैं खास तौर पर मृत्यु के श्राप से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ और उसे रद्द करता हूँ, अब से मुझ पर तेरा कोई अधिकार नहीं है!

मैं ऐलान करता हूँ कि इन श्रापों का मुझ पर कोई अधिकार नहीं है।

मैं मसीह की आशीषों को अपनी आत्मिक मीरास के तौर पर ले लेता हूँ।

मैं अपने ऊपर लादे गए हर प्रकार के धमकियों भरे डर से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ। मैं मसीह में साहसी होने का चयन करता हूँ। मैं हर प्रकार की चालबाजी और नियन्त्रण से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ। मैं बुरे व्यवहार और हिंसा से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ।

मैं हर प्रकार के डर से, अस्वीकृति के डर से, अपनी सम्पत्ति और दौलत खो देने के डर से, गरीबी के डर से, गुलाम बनाए जाने के डर से, बलात्कार के डर से, अकेलेपन के डर से, अपने परिवार को खो देने के डर से, हत्या के डर से, और मौत के डर से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ।

मैं इस्लाम के डर से, मुसलमानों के डर से, सार्वजनिक या राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने के डर से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ।

मैं ऐलान करता हूँ कि यीशु मसीह सबका प्रभु है।

मैं अपने जीवन के हर एक क्षेत्र में यीशु को प्रभु मानकर उसकी अधीनता में आता हूँ। यीशु मसीह मेरे घर का प्रभु है। यीशु मसीह मेरे नगर का प्रभु है। यीशु मसीह मेरे राष्ट्र का प्रभु है। यीशु मसीह मेरे देश के सब लोगों का प्रभु है। मैं यीशु को प्रभु मानकर उसकी अधीनता में आता हूँ।

मैं लज्जित किए जाने से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ। मैं ऐलान करता हूँ कि मसीह ने मुझे कबूल कर लिया है। मैं उसकी और केवल उसी की आराधना करता हूँ।

मैं लज्जा से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ। मैं ऐलान करता हूँ कि मैं सब पापों से शुद्ध किया जा चुका हूँ। लज्जा का अब मुझ पर कोई अधिकार नहीं है और मैं मसीह के साथ महिमा में शासन करूँगा।

प्रभु, मुसलमानों से नफरत करने के लिए मुझे और मेरे सब पुरखों को माफ कर दीजिए। मैं मुसलमानों और अन्य सब लोगों से नफरत करने की अपनी आदत से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ और मुसलमानों तथा पृथ्वी के सब लोगों के लिए मसीह के प्रेम का ऐलान करता हूँ।

मैं कलीसिया के पापों से, कलीसिया के अगुवों द्वारा गलत तरीके से लोगों को अपनी अधीनता में लाने के पाप से तौबा करता हूँ।

मैं बहिष्कार से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ। मैं ऐलान करता हूँ कि परमेश्वर ने मसीह के द्वारा मुझे माफ कर दिया और कबूल कर लिया है। परमेश्वर के साथ मेरा पुनर्मेल हो चुका है। स्वर्ग या पृथ्वी की कोई भी ताकत परमेश्वर के सिंहासन के सामने मुझ पर कोई दोष नहीं लगा सकती।

मैं अपने परमेश्वर पिता, अपने एकमात्र उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह और जीवनदायी पवित्र आत्मा के लिए अपनी स्तुति और धन्यवाद का ऐलान करता हूँ।

मैं यीशु मसीह को प्रभु मानकर उसका जीवित साक्षी बनने के लिए अपने आप को प्रतिबद्ध करता हूँ। मैं उसके क्रूस से लजाता नहीं हूँ। मैं उसके पुनरुत्थान से लजाता नहीं हूँ।

मैं ऐलान करता हूँ कि मैं जीवित परमेश्वर की, अब्राहम, इसहाक और याकूब के परमेश्वर की सन्तान हूँ।

मैं परमेश्वर की और उसके मसीह की विजय का ऐलान करता हूँ। मैं ऐलान करता हूँ कि हर एक घुटना झुकेगा और हर एक जुबान परमेश्वर पिता की महिमा के लिए यह अंगीकार करेगी कि यीशु मसीह ही प्रभु है।

दिम्मी अवस्था में लोगों को धकेलने के लिए मैं मुसलमानों को माफी देने का ऐलान करता हूँ।

पिता परमेश्वर, कृपया मुझे दिम्मा से, दिम्मी अवस्था के स्वभाव से, और दिम्मा सन्धि से जुड़े हर एक ईश्वरहीन सिद्धान्त से मुक्त कर दीजिए।

मैं माँगता हूँ कि अब आप मुझे अपने पवित्र आत्मा से भर दीजिए, और यीशु मसीह के राज्य की सारी आशीषें मुझ पर डाल दीजिए। आपके वचन को स्पष्ट तौर पर समझने और उसे अपने जीवन के हर एक क्षेत्र में लागू करने का अनुग्रह दीजिए। मुझे आशा और जीवन के वचन दीजिए, जिन्हें देने की प्रतिज्ञा आपने की थी और मेरे ओंठों को आशीष दीजिए ताकि मैं यीशु के नाम और अधिकार से ये वचन दूसरों के जीवन में बोल सकूँ। मसीह का विश्वासयोग्य साक्षी बनने का साहस मुझे दीजिए। मुसलमानों के लिए गहरा प्रेम मेरे भीतर डालिए, ताकि मैं उनके साथ मसीह के प्रेम को पूरे जोश के साथ बाँट सकूँ।

मेरे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम से मैं यह सब माँग लेता हूँ और इन सबका ऐलान करता हूँ। आमीन।